Total No. of Questions - 3] [Total Pages : 4

(2062)

9714

M.A. Examination

HINDI

(आधुनिक गद्य साहित्य)

Paper–VII

(Semester–II)

Time : Three Hours] [Max. Marks : Regular : 80 / Private : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) दु:ख की श्रेणी में प्रवृत्ति के विचार से करुणा का उल्टा क्रोध है। क्रोध जिसके प्रति उत्पन्न होता है, उसकी हानि की चेष्टा की जाती है। करुणा जिसके प्रति उत्पन्न होती है, उसकी भलाई का उद्योग किया जाता है।

(ख) रवीन्द्रनाथ ने इस भारतवर्ष को 'महामानव समुद्र' कहा है। विचित्र देश है यह। असुर आए, आर्य आए, शक आए, हूण आए, नाग आए, यक्ष आए, गंधर्व आए–न जाने कितनी मानव-जातियाँ यहाँ आईं और आज के भारतवर्ष को बनाने में लग गईं। जिसे हम हिन्दू रीति-नीति कहते हैं, वह अनेक आर्य और आर्येतर उपादानों का अद्‌भुत मिश्रण है।

(ग) 'अध्यात्मवादी' होने के कारण ही किसी कवि को काव्य-गौरव नहीं प्राप्त हो जाता, न केवल सांप्रदायिक या साधनाविषयक शब्दावली का प्रचुर प्रयोग ही उसे साहित्यिक उत्कर्ष दे सकता है। आवश्यकता यह समझने की है कि कवि की काव्यानुभूति और उसकी रचना साहित्यिक समीक्षा में स्वतंत्र सत्ता रखती है, किसी वाद के घेरे में वह घेरी नहीं जा सकती।

(घ) इस गंध-साधना का नंदनवन यही छितवन है, जो जितना ही दूर रहता है, उतना ही मादक, जितना ही समीप, उतना ही सामान्य और निर्विशेष। छितवन में चंपा के रूप का ज्वार नहीं, कुमुद का स्निग्ध शीतल स्पर्श नहीं, कमल का अलि-गुंजन नहीं, और न कदंब का मधुर रस। छितवन का सौन्दर्य व्यष्टि में नहीं, उसकी समष्टि में निहित है।

(ङ) लतिका को लगा, जैसे कहीं बहुत दूर बरफ की चोटियों से परिंदों के झुंड नीचे अनजान देशों की ओर उड़े जा रहे हैं। इन दिनों अकसर उसने अपने कमरे की खिड़की से उन्हें देखा है–धागे में बँधे चमकीले लट्टुओं की तरह वे एक लंबी टेढ़ी-मेढ़ी कतार में उड़े जाते हैं–पहाड़ों की सुनसान नीरवता से परे, उन विचित्र शहरों की ओर, जहाँ शायद वह कभी जाएगी।

(च) उन्हें लगा कि वह लावण्यमयी युवती जीवन की राह में कहीं खो गयी और उसकी जगह आज जो स्त्री है, वह उनके मन और प्राणों के लिए नितांत अपरिचित है। गाढ़ी नींद में डूबी उनकी पत्नी का भारी-सा शरीर बहुत बेडौल और कुरूप लग रहा था, चेहरा श्रीहीन और रूखा था। गजाधर बाबू देर तक निस्संग दृष्टि से पत्नी को देखते रहे और फिर लेटकर छत की ओर ताकने लगे।

(छ) बहस इसी बात पर थी कि कालिन्दी का मत था कि हमें आतंक को छोड़ने की ओर बढ़ना चहिए। आतंक से विवेक कुंठित होता है। और या तो मनुष्य उससे उत्तेजित हो रहता है, या उसके भय से दबा रहता है। दोनों ही स्थितियाँ श्रेष्ठ नहीं हैं। हमारा लक्ष्य बुद्धि को चारों ओर से जगाना है, उसे आतंकित करना नहीं।

(ज) जिस व्यक्ति से किसी की घनिष्ठता और प्रीति होती है वह उसके जीवन के बहुत-से व्यापारों तथा मनोवृत्तियों का आधार होता है। उसके जीवन का बहुत-सा अंश उसी के सम्बन्ध द्वारा व्यक्त होता है। मनुष्य अपने लिए संसार आप बनाता है। संसार तो कहने-सुनने के लिए है, वास्तव में किसी मनुष्य का संसार तो वे ही लोग हैं जिनसे उसका संसर्ग या व्यवहार है। 4×8=32

(4×9=36)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) ललित निबंध के विकास में विद्यानिवास मिश्र के योगदान को रेखांकित कीजिए।

(ख) 'करुणा' निबंध के आधार पर सामाजिक जीवन में करुणा का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

(ग) रामविलास शर्मा की निबंध-शैली का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

(घ) 'वापसी' कहानी के कथ्य का विश्लेषण कीजिए।

(ङ) कहानी के तत्वों के आधार पर 'पत्नी' कहानी की समीक्षा कीजिए।

(च) नई कहानी के रूप में 'परिंदे' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

4×10=40

(4×12=48)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के अति लघु उत्तर दीजिए :

(क) करुणा और क्रोध में भेद बताइए।

(ख) ललित निबंध किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

(ग) नंददुलारे वाजपेयी की समीक्षा-दृष्टि पर टिप्पणी लिखिए।

(घ) 'हजारीप्रसाद द्विवेदी ने अपने निबंधों में भारतीय संस्कृति का गौरवगान किया है।' इस कथन की विवेचना कीजिए।

(ङ) कथानक के आवश्यक गुण कौन-कौन से हैं?

(च) 'उसने कहा था' कहानी के प्रमुख पात्र लहना सिंह की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(छ) 'एक कमजोर लड़की की कहानी' की रचना का उद्देश्य बताइए।

(ज) कमलेश्वर की कहानी-कला पर प्रकाश डालिए। 8×1=8

(8×2=16)